अनुदान संख्या 91 – अंतरिक्ष विभाग
GRANT No. 91 - DEPARTMENT OF SPACE

			कुल अनुदान या विनियोग Total grant or appropriation	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
					(हजार रुपयों में) (In thousands of rupees)
राजस्वः	**Revenue:**				
प्रभारित–	*Charged -*		*60,00*	*29,07*	*-30,93*
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*				*शून्य Nil*
स्वीकृत–	Voted-				
मूल	Original	5495,58,00	5663,67,00	5659,72,61	-3,94,39
पूरक	Supplementary	168,09,00			
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year				शून्य Nil
पूंजीगतः	**Capital:**				
प्रभारित–	*Charged -*		*40,00*	*20,90*	*-19,10*
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*				*शून्य Nil*
स्वीकृत–	Voted-				
मूल	Original	5286,84,00	5535,33,00	5532,43,31	-2,89,69
पूरक	Supplementary	248,49,00			
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year				शून्य Nil

टीका और टिप्पणियां

1. अनुदान के राजस्व भाग के *प्रभारित* अंश में, *₹35.00 लाख* का *विनियोग* नौ शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

Notes and comments

1. In the *charged* portion of the revenue section of the grant, *appropriation* of *₹35.00 lakhs* remained wholly unutilized under nine heads.

2. अनुदान के राजस्व भाग के स्वीकृत अंश में, बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआः–

2. In the voted portion of the revenue section of the grant, savings/excess occurred under the following major heads:-

शीर्ष	Head		कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
					(लाख रुपयों में) (In lakhs of rupees)
मुख्य शीर्ष "3451"	Major Head "3451"				
सचिवालय – सामाजिक सेवाएं	Secretariat-Economic Services				
मू.	O.	3000.00			
पू.	S.	1500.00	5321.00	5300.51	-20.49
पु.	R.	821.00			
मुख्य शीर्ष "3402"	Major Head "3402"				
अंतरिक्ष अनुसंधान	Space Research				
मू.	O.	546558.00			
पू.	S.	15309.00	561046.00	560672.10	-373.90
पु.	R.	-821.00			

(I) ₹136.00 लाख का प्रावधान पन्द्रह शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

(I) Provision of ₹136.00 lakhs remained wholly unutilised under fifteen heads.

(II) मुख्य शीर्ष "3402" के अंतर्गत फरवरी, 2019 में प्राप्त किया गया पूरक अनुदान निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत प्रत्येक के सामने दर्शाई गई सीमा तक पूर्णतया अप्रयुक्त रहाः–

(II) Supplementary grant obtained in February, 2019 under Major Head "3402" - remained unutilised under the following heads to the extent as shown against each:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" –

(A) "Space Technology"-

(क) "भू–चित्रांकन उपग्रह (जीआईएसएटी)" – ₹750.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹600.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹1350.00 लाख कर दिया गया जो, तथापि, विदेशी यात्रा खर्चों, आपूर्तियों और सामग्रियों तथा परियोजना के लिए संविदागत सेवाओं के लिए कम निधियों की

(a) "Geo-Imaging Satellite (GISAT)" - the original provision of ₹750.00 lakhs was augmented to ₹1350.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹600.00 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of ₹132.20 lakhs - due to requirement

आवश्यकता होने के कारण ₹132.20 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

(ख) "भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय (आईएसआरओएचक्यू)" – ₹14298.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹1102.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹15400.00 लाख किया गया था जो, तथापि, सम्मेलनों, संगोष्ठियों, अतिथि–सत्कार और कार्यालय वाहन के अनुरक्षण के लिए सहायता हेतु कम निधियों की आवश्यकता के कारण ₹125.45 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

(खा) "इनसैट उपग्रह प्रणाली – जीसैट–29 उपग्रह" – ₹1990.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹1317.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹3307.00 लाख कर दिया गया जो, तथापि, कार्यालयी खर्चों तथा परियोजना के लिए अन्य सामान्य उपयोगिताओं के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण ₹135.13 लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

(III) मुख्य शीर्ष "3402" – के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं:–

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" –

(क) "विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी)" – ₹1842.34 लाख की बचत (₹107419.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परीक्षण प्रभारों के स्थगन, टीडीपी, चिकित्सा खर्चों, आपूर्तियों तथा सामग्रियों और लघु कार्यों के लिए कम आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ख) "जीएसएलवी मार्क–III विकास" – ₹1711.00 लाख की बचत (₹2000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परियोजना के पूरा होने के कारण हुई।

of less funds towards foreign travel expenses, supplies and materials and contractual services for the project.

(b) "Indian Space Research Organisation Headquarters (ISRO Hq)" - the original provision of ₹14298.00 lakhs was augmented to ₹15400.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹1102.00 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of ₹125.45 lakhs - due to requirement of less funds towards support for conferences, symposia, hospitality and maintenance of office vehicle.

(B) "INSAT Satellite System - GSAT-29 Satellite" - the original provision of ₹1990.00 lakhs was augmented to ₹3307.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹1317.00 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of ₹135.13 lakhs - due to requirement of less funds towards office expenses and other general utilities for the project.

(III) Under Major Head "3402" - savings occurred under the following heads:-

(A) "Space Technology" -

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC)" - saving of ₹1842.34 lakhs (against the sanctioned provision of ₹107419.00 lakhs) was due to postponement of test charges, TDPs, reduced requirement towards medical expenses, supplies and materials and minor works.

(b) "GSLV Mk-III Development" - saving of ₹1711.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2000.00 lakhs) was due to completion of the project.

(ग) "द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी)" – ₹733.76 लाख की बचत (₹31485.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वेतन के लिए कम निधियों की आवश्यकता, कार्यालय उपकरणों की खरीद तथा जनशक्ति को किराए पर लेने को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(c) "Liquid Propulsion Systems Centre (LPSC)" - saving of ₹733.76 lakhs (against the sanctioned provision of ₹31485.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards salaries, postponement of purchase of office equipments and hiring of manpower.

(घ) "इसरो टेलीमीटरी, ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी)" – ₹528.51 लाख की बचत (₹19998.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वेतन, विदेशी यात्रा खर्चों, जनशक्ति को भाड़े पर लेने और सुविधाओं के मरम्मत और रख–रखाव के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

(d) "ISRO Telemetry, Tracking & Command Network (ISTRAC)" - saving of ₹528.51 lakhs (against the sanctioned provision of ₹19998.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards salaries, foreign travel expenses, hiring of manpower and repair and maintenance expenses of facilities.

(ङ) "जीएसएलवी प्रचालनात्मक (जीएसएलवी–ओ) परियोजना" – ₹6310.73 लाख की बचत (₹12000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) फ्लाइट हार्डवेयर फैब्रिकेशन खर्चों के पुनःवर्गीकरण, घरेलू तथा विदेशी यात्रा खर्चों के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(e) "GSLV Operational (GSLV-O) Project" - saving of ₹6310.73 lakhs (against the sanctioned provision of ₹12000.00 lakhs) was due to reclassification of flight hardware fabrication expenses, requirement of less funds towards domestic and foreign travel expenses.

(च) "भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी)" – ₹2879.15 लाख की बचत (₹11000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पेंशन निधि बनाने तथा कैंपस अवसंरचना के कार्यान्वयन को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(f) "Indian Institute of Space Science & Technology (IIST)" - saving of ₹2879.15 lakhs (against the sanctioned provision of ₹11000.00 lakhs) was due to postponement of creation of pension fund and realization of campus infrastructure.

(छ) "इसरो प्रणोदन परिसर (आईपीआरसी)" – ₹619.96 लाख की बचत (₹23995.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यालय वाहनों, फर्नीचर की खरीद को स्थगित किए जाने तथा सामग्रियों और आईटी उपस्करों की सुपुर्दगी में विलंब होने के कारण हुई।

(g) "ISRO Propulsion Complex (IPRC)" - saving of ₹619.96 lakhs (against the sanctioned provision of ₹23995.00 lakhs) was due to postponement of purchase of office vehicles, furniture and delay in delivery of materials and IT equipments.

(खा) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग – अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी)" – ₹2016.36 लाख की बचत (₹65920.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उपग्रहों परियोजनाओं द्वारा खर्चों में भागीदारी करने, आरएमएसईटी अनुप्रयोग तथा

(B) "Space Applications - Space Applications Centre (SAC)" - saving of ₹2016.36 lakhs (against the sanctioned provision of ₹65920.00 lakhs) was due to sharing of expenses by satellite projects, delay in

डिटेक्टर विकास के उपलब्धिवार भुगतान के लिए वित्तीय मंजूरी प्राप्त करने में विलंब के कारण हुई।

obtaining financial sanction for RMSET Application and milestone payment of detector development.

(गा) "अंतरिक्ष विज्ञान" –

(C) "Space Sciences" -

(क) "सेंसर पैलोड विकास / ग्रहीय विज्ञान कार्यक्रम" – ₹849.20 लाख की बचत (₹1029.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पीआरएल द्वारा लिए गए प्लैनेक्स कार्यक्रम के लिए सहायता के कारण हुई।

(a) "Sensor Payload Development/Planetary Science Programme" - saving of ₹849.20 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1029.00 lakhs) was due to assistance for Planex programme undertaken by PRL.

(ख) "आदित्य" – ₹1202.26 लाख की बचत (₹1400.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यालय खर्चों तथा आदित्य एल–1 मिशन के लिए संबद्ध खर्चों के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

(b) "ADITYA" - saving of ₹1202.26 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1400.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards office expenses and allied expenses for the Aditya L1 mission.

(घा) "इनसैट उपग्रह प्रणाली – लांच सेवाओं सहित उन्नत संचार उपग्रह (जीसैट–11)" – ₹935.59 लाख की बचत (₹1505.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विदेशी यात्रा खर्चों तथा अन्य प्रभारों के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(D) "INSAT Satellite System - Advanced Communication Satellite (GSAT-11) including launch services" - saving of ₹935.59 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1505.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards foreign travel expenses and other charges.

(IV) तीन शीर्षों के अंतर्गत ₹1093.62 लाख की बचतें हुईं, जो प्रत्येक में ₹250.00 लाख से अधिक परन्तु ₹500.00 लाख से कम और स्वीकृत प्रावधान का 24 प्रतिशत से 67 प्रतिशत तक थीं।

(IV) Under three heads savings of ₹1093.62 lakhs occurred, each exceeding ₹250.00 lakhs but not exceeding ₹500.00 lakhs and constituting 24 percent to 67 percent of the sanctioned provision.

3. (I) उपर्युक्त बचतें पुनर्विनियोग द्वारा प्रावधान को बढ़ाने के लिए आंशिक रूप से (₹8532.25 लाख) प्रयुक्त हो गईं जैसा कि जुलाई, 2018 में मुख्य शीर्ष "3402" के अंतर्गत, निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत ₹1.00 लाख का सांकेतिक पूरक अनुदान प्राप्त करते समय संसद को पहले ही सूचित कर दिया गया था:–

3. (I) The above savings were partly (₹8532.25 lakhs) utilized for augmenting the provision by re-appropriation as already reported to Parliament while obtaining token supplementary grant of ₹1.00 lakh in July, 2018 under Major Head "3402" - under the following heads:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी – अर्ध–चालक प्रयोगशाला (एससीएल)" – ₹7082.50 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹7082.33 लाख था।

(A) "Space Technology - Semi-conductor Laboratory (SCL)" - ₹7082.50 lakhs. Actual excess, however, was ₹7082.33 lakhs.

(खा) "अंतरिक्ष विज्ञान – राष्ट्रीय वायुमंडलीय अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएआरएल)" – ₹1449.75 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹1449.42 लाख था।

(II) बचतें, निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत अधिक व्यय द्वारा भी प्रतिसंतुलित हो गईं:–

(का) मुख्य शीर्ष "3451" – "सचिवालय – अंतरिक्ष विभाग" – ₹800.51 लाख का अधिक व्यय (फरवरी, 2019 में प्राप्त किए गए ₹1500.00 लाख के पूरक अनुदान सहित ₹4500.00 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) द्विपक्षीय निवेश संवर्द्धन तथा संरक्षण करार के अंतर्गत मध्यस्थतम मामले तथा पिछले वर्ष की स्पिलओवर वचनबद्धताओं के कारण हुआ।

(खा) मुख्य शीर्ष "3402" –

(क) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी – ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण वाहन – सतत (पीएसएलवी–सी) परियोजना" – ₹8629.92 लाख का अधिक व्यय (₹1840.00 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) लांच कार्यक्रमों में सहायता के लिए मशीन उपयोगी वस्तुओं, प्रणोदकों, स्नेहकों, विद्युत सामग्रियों के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।

(ख) "इनसैट उपग्रह प्रणाली – इनसैट/जीसैट ट्रांसपोंडरों के पट्टे के लिए सेवा प्रभार" – ₹2678.90 लाख का अधिक व्यय (₹10000.00 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पट्टा सेवाओं के लिए अंतरिक्ष को सेवा प्रभारों तथा पिछले साल के स्पिलओवर भुगतान के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।

(III) एक शीर्ष के अंतर्गत ₹391.99 लाख का अधिक व्यय हुआ जो स्वीकृत प्रावधान का 11 प्रतिशत था।

4. अनुदान के पूंजीगत भाग के *प्रभारित* अंश में, *₹33.00 लाख* का *विनियोग* आठ शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

(B) "Space Sciences - National Atmospheric Research Laboratory (NARL)" - ₹1449.75 lakhs. Actual excess, however, was ₹1449.42 lakhs.

(II) Savings were also offset by excess under the following major heads:-

(A) Major Head "3451" - "Secretariat - Department of Space" - excess of ₹800.51 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹4500.00 lakhs including supplementary grant of ₹1500.00 lakhs obtained in February, 2019) was due to arbitration cases under Bilateral Investment Promotion and Protection Agreement and spillover commitments from previous year.

(B) Major Head "3402" -

(a) "Space Technology - Polar Satellite Launch Vehicle - Continuation (PSLV-C) Project" - excess of ₹8629.92 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1840.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards cost of machine consumable, propellants, lubricants, electrical materials in order to support the launch programmes.

(b) "INSAT Satellite System - Service Charges for Leasing INSAT/GSAT Transponders" - excess of ₹2678.90 lakhs (against the sanctioned provision of ₹10000.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards service charges to Antrix for leasing services and spillover payment from previous year.

(III) Under one head excess of ₹391.99 lakhs occurred constituting 11 percent of the sanctioned provision.

4. In the *charged* portion of the capital section of the grant, *appropriation* of *₹33.00 lakhs* remained wholly unutilized under eight heads.

5. अनुदान के पूंजीगत भाग के स्वीकृत अंश में, बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्ष के अंतर्गत हुईं/हुआः–

5. In the voted portion of the capital section of the grant, savings/excess occurred under the following major head:-

शीर्ष	Head	कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
		(लाख रुपयों में) (In lakhs of rupees)		
मुख्य शीर्ष "5402"	Major Head "5402"			
अंतरिक्ष अनुसंधान पर पूंजीगत परिव्यय	Capital Outlay on Space Research			
मू.	O. 528684.00	553533.00	553243.31	-289.69
पू.	S. 24849.00			

(I) ₹342.00 लाख का प्रावधान सत्रह शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

(I) Provision of ₹342.00 lakhs remained wholly unutilised under seventeen heads.

(II) मुख्य शीर्ष "5402" के अंतर्गत जुलाई, 2018, दिसंबर, 2018 तथा फरवरी, 2019 में प्राप्त पूरक अनुदान – निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत प्रत्येक के सामने दर्शाए अनुसार पूर्णतया अप्रयुक्त रहाः–

(II) Supplementary grant obtained in July, 2018, December, 2018 and February, 2019 under Major Head "5402" - remained wholly unutilised under the following heads as shown against each:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" –

(A) "Space Technology" -

(क) "इसरो उपग्रह केंद्र (आईएसएसी)" – ₹19699.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹500.11 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹20199.11 लाख कर दिया गया था। तथापि, ₹3147.53 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) – मोटर वाहनों, डेटा अर्जन प्रणाली, सर्वर और वर्कस्टेशनों की अधिप्राप्ति स्थगित होने तथा विभिन्न परीक्षण सुविधाओं और सिविल कार्यों के लिए कम आवश्यकता के कारण हुई।

(a) "ISRO Satellite Centre (ISAC)" - the original provision of ₹19699.00 lakhs was augmented to ₹20199.11 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹500.11 lakhs. However, there was a saving of ₹3147.53 lakhs (including supplementary grant) - due to postponement of procurement of motor vehicles, data acquisition system, servers & workstations and reduced requirement towards various test facilities and civil works.

(ख) "इलेक्ट्रो – ऑप्टिक्स प्रणालियों के लिए प्रयोगशाला (एलईओएस)" – ₹1700.00 लाख के

(b) "Laboratory for Electro-Optics Systems (LEOS)" - the original provision of

मूल प्रावधान को ₹150.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹1850.00 लाख कर दिया गया था। तथापि, ₹599.14 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) – ऑप्टिकल स्पेक्ट्रम एनालाइजर, लेजर इनफेरोमीटर सिस्टम, लिक्विड नाइट्रोजन स्टोरेज टैंक के लिए नकदी प्रवाहों के स्थगित होने तथा मॉड्यूलर क्लीन रूम के कार्यों, एसी चिलर्स के प्रतिस्थापन और प्रशासन ब्लॉक के वर्टिकल विस्तार के लिए कम नकदी प्रवाह के कारण हुई।

₹1700.00 lakhs was augmented to ₹1850.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹150.00 lakhs. However, there was a saving of ₹599.14 lakhs (including supplementary grant) - due to postponement of cash flows for optical spectrum analyzer, laser inferometer system, liquid nitrogen storage tank and reduced cash flow towards works of modular clean room, replacement of AC chillers and vertical extension to admin block.

(ग) "सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र – एसएचएआर (एसडीएससी–एसएचएआर)" – ₹31983.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹875.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹32858.00 लाख कर दिया गया था। तथापि, ₹5011.51 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) – वाहनों की अधिप्राप्ति में विलंब तथा सुविधा प्रतिस्थापन और संवर्द्धन के लिए कम नकदी प्रवाह के कारण हुई।

(c) "Satish Dhawan Space Centre-SHAR (SDSC-SHAR)" - the original provision of ₹31983.00 lakhs was augmented to ₹32858.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹875.00 lakhs. However, there was a saving of ₹5011.51 lakhs (including supplementary grant) - due to delay in procurement of vehicles and reduced cash flow for facility replacement & augmentation.

(घ) "इसरो टेलीमीटरी, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी)" – ₹4802.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹300.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹5102.00 लाख कर दिया गया था। तथापि, ₹968.31 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) – एक्स–बैंड फ्रिक्वेंसी कनवर्टरों, एमईओएसएआर परियोजना के लिए एंटीना, चारदीवारी कार्य, जीसैट गेटवे के लिए केबल, मिशन सहायता के लिए राउटर, संचार लिंकों, सर्वरों और वर्कस्टेशनों के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

(d) "ISRO Telemetry, Tracking and Command Network (ISTRAC)" - the original provision of ₹4802.00 lakhs was augmented to ₹5102.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹300.00 lakhs. However, there was a saving of ₹968.31 lakhs (including supplementary grant) - due to requirement of less funds towards X-band frequency converters, antenna for MEOSAR project, compound wall works, cable for GSAT gateway, routers for mission support, communication links, servers and workstations.

(ङ) "ध्रुवीय उपग्रह लांच वाहन – सतत (पीएसएलवी–सी) परियोजना" – ₹73160.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹1132.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹74292.00 लाख कर दिया गया था। तथापि, ₹43103.01 लाख की बचत

(e) "Polar Satellite Launch Vehicle - Continuation (PSLV-C) Project" - the original provision of ₹73160.00 lakhs was augmented to ₹74292.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹1132.00 lakhs.

(पूरक अनुदान सहित) – सिमुलेशन सॉफ्टवेयर, हीट शील्ड निर्माण सुविधाओं की अधिप्राप्ति, फैब्रीकेशन खर्चों और आरपीपी चरण II के कार्यों के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

However, there was a saving of ₹43103.01 lakhs (including supplementary grant) - due to requirement of less funds towards procurement of simulation software, Heat shield preparation facilities, fabrication expenses and works of RPP phase II.

(च) "ट्राईसोनिक विंड टनल फैसिलिटी परियोजना" – ₹9590.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹642.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹10232.00 लाख कर दिया गया था। तथापि, ₹1437.24 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) – परियोजना के उपलब्धि आधारित भुगतानों के स्थगन के कारण हुई।

(f) "Trisonic Wind Tunnel Facility Project" - the original provision of ₹9590.00 lakhs was augmented to ₹10232.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹642.00 lakhs. However, there was a saving of ₹1437.24 lakhs (including supplementary grant) - due to postponement of milestone payments of the project.

(खा) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग – राष्ट्रीय सुदूर संवेदी केंद्र" – ₹17995.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹1600.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹19595.00 लाख कर दिया गया था। तथापि, ₹5576.48 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) – कू–बैंड डेटा रिसेस्पशन सिस्टम, विमानों के लिए रेटरोफिट वैमानिकियों, डिजिटल अवसंरचना की स्थापना तथा वैज्ञानिक यंत्रों के लिए स्पिलओवर खर्चों के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

(B) "Space Applications - National Remote Sensing Centre (NRSC)" - the original provision of ₹17995.00 lakhs was augmented to ₹19595.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹1600.00 lakhs. However there was a saving of ₹5576.48 lakhs (including supplementary grant) - due to requirement of less funds towards spillover expenses for Ku-band data reception system, retrofit avionics for aircraft, establishment of digital infrastructure and scientific instruments.

(गा) "अंतरिक्ष विज्ञान – भारतीय चन्द्र मिशन – चन्द्रयान – 1 और 2" – ₹6000.00 लाख के मूल प्रावधान को ₹817.11 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹6817.11 लाख कर दिया गया था। तथापि, ₹2567.85 लाख की बचत (पूरक अनुदान सहित) – संशोधित परियोजना कार्यक्रम पर आधारित वाह्य ट्रैकिंग सपोर्ट के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुआ।

(C) "Space Sciences - Indian Lunar Mission - Chandrayaan - 1 & 2" - the original provision of ₹6000.00 lakhs was augmented to ₹6817.11 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹817.11 lakhs. However, there was a saving of ₹2567.85 lakhs (including supplementary grant) due to requirement of less funds towards external tracking support based on revised project schedule.

(III) मुख्य शीर्ष "5402" – "इनसैट उपग्रह प्रणाली – जीसैट–20 उपग्रह" – ₹4000.00 लाख के मूल प्रावधान को फरवरी, 2019 में ₹3900.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर ₹7900.00 लाख कर दिया गया था जो, तथापि, उपग्रह ग्राउंड सेगमेंट के लिए परिकल्पित स्पिलओवर भुगतान के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण ₹2924.31

(III) Under Major Head "5402" - "INSAT Satellite System - GSAT-20 Satellite" - the original provision of ₹4000.00 lakhs was augmented to ₹7900.00 lakhs by obtaining supplementary grant of ₹3900.00 lakhs in February, 2019 which, however, remained unutilised to the extent of ₹2924.31 lakhs -

लाख की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

(IV) मुख्य शीर्ष "5402" के अंतर्गत – निम्नलिखित शीर्षों के तहत बचतें हुईः–

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" –

(क) "विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी)" – ₹5823.69 लाख की बचत (₹29636.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) लैंडिगं गियर, हॉट आइसोस्टैटिक प्रेशर फर्नेस, ऑप्टिकल संरचना सुविधा के लिए खर्च को स्थगित किए जाने तथा सीएनसी गैंट्री मिलिंग मशीन, सी–बैंड रेडार के लिए कम नकदी प्रवाह तथा बड़े सिविल कार्यों की वास्तविक प्रगति के कारण हुई।

(ख) "इसरो इनर्शियल सिस्टम यूनिट (आईआईएसयू)" – ₹1469.12 लाख की बचत (₹3700.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मोटर वाहनों की अधिप्राप्ति, सीआईएसएफ क्वार्टरों का निर्माण कार्य स्थगित होने तथा बड़े उपस्करों की सुपुर्दगी में विलंब के कारण हुई।

(ग) "द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी)" – ₹8800.42 लाख की बचत (₹24445.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आईएलएफसी, आईसीएमएफ जैसी तकनीकी सुविधाओं तथा हाई थ्रस्ट ईपीएस के विकास के लिए खर्चों को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(घ) "नौवहन उपग्रह प्रणाली (एनएसएस)" – ₹730.92 लाख की बचत (₹4420.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परमाणु घड़ियों तथा आईएनसी–2 भवन के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ङ) "सेमी क्रायोजेनिक इंजन विकास" – ₹1841.44 लाख की बचत (₹13100.00 लाख के स्वीकृत

due to requirement of less funds towards spillover payments envisaged for satellite ground segment.

(IV) Under Major Head "5402" - savings occurred under the following heads:-

(A) "Space Technology" -

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC)" - saving of ₹5823.69 lakhs (against the sanctioned provision of ₹29636.00 lakhs) was due to postponement of expenditure for landing gear, hot isostatic pressure furnace, optical structure facility and less cash flow towards CNC Gantry milling machine, C-Band Radar and physical progress of major civil works.

(b) "ISRO Inertial Systems Unit (IISU)" - saving of ₹1469.12 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3700.00 lakhs) was due to postponement of procurement of motor vehicles, construction of CISF quarters and delay in delivery of major equipments.

(c) "Liquid Propulsion Systems Centre (LPSC)" - saving of ₹8800.42 lakhs (against the sanctioned provision of ₹24445.00 lakhs) was due to postponement of expenses towards technical facilities like ILFC, ICMF and development of High Thrust EPS.

(d) "Navigation Satellite System (NSS)" - saving of ₹730.92 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4420.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards atomic clocks and works for INC-2 building.

(e) "Semi Cryogenic Engine Development" - saving of ₹1841.44 lakhs (against the

प्रावधान की तुलना में) आईईटी फ्लुड सर्विंग प्रणाली तथा सिविल कार्यों के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

sanctioned provision of ₹13100.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards IET Fluid serving system and civil works.

(च) "भू–चित्रांकन उपग्रह (जीआईएसएटी)" – ₹791.70 लाख की बचत (₹4250.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(f) "Geo-Imaging Satellite (GISAT)" - saving of ₹791.70 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4250.00 lakhs);

(छ) "रीसैट–1ए" – ₹1680.48 लाख की बचत (₹12430.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(g) "RISAT-1A" - saving of ₹1680.48 lakhs (against the sanctioned provision of ₹12430.00 lakhs);

(ज) "कार्टोसैट– 2ई" – ₹501.81 लाख की बचत (₹3284.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई; और

(h) "Cartosat-2E" - saving of ₹501.81 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3284.00 lakhs); and

(झ) "नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रेडार मिशन (एनआईएसएआर)" – ₹1956.65 लाख की बचत (₹8500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई।

(i) "NASA ISRO Synthetic Aperture Radar Mission (NISAR)" - saving of ₹1956.65 lakhs (against the sanctioned provision of ₹8500.00 lakhs).

उपर्युक्त चार शीर्षों के अंतर्गत बचतें परीक्षण सुविधाओं के संवर्द्धन से संबंधित नकदी प्रवाहों और इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों के फैब्रीकेशन खर्चों के स्थगन के कारण हुईं।

Savings under the above four heads were due to postponement of cash flows related to augmentation of test facilities and fabrication expenses of electronic systems.

(ञ) "इसरो प्रणोदन परिसर (आईपीआरसी)" – ₹4385.09 लाख की बचत (₹25860.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) क्रायो एलएच2 टैंक्स, सीआईपीटी के लिए सेफ्टी बैरियर्स, स्मार्ट टेम्परेचर ट्रांसमिटरों, एकीकृत डेटा अर्जन प्रणाली के कार्यान्वयन में विलंब होने, पीएस4 टेस्ट सुविधा के लिए सुपर स्ट्रक्चर, संरचनात्मक परीक्षण सुविधा की स्थापना तथा विकास इंजन थ्रस्ट चैम्बर का ऑटोमेशन, सी25 स्टेज इंटीग्रेशन कॉम्पलेक्स तथा जलापूर्ति स्कीम और स्टेजिस के परीक्षण की वास्तविक आवश्यकता के कारण हुई।

(j) "ISRO Propulsion Complex (IPRC)" - saving of ₹4385.09 lakhs (against the sanctioned provision of ₹25860.00 lakhs) was due to delay in realization of Cryo LH2 Tanks, Safety Barriers for CIPT, Smart Temperature Transmitters, Integrated Data Acquisition System, Super Structure for PS4 Test Facility, Establishment of Structural Test Facility and Automation of Vikas Engine Thrust Chamber, postponement of C25 Stage Integration Complex and Water Supply Scheme and actual requirement for testing of stages.

(ट) "मुख्य नियंत्रण सुविधा (एमसीएफ)" – ₹1137.09 लाख की बचत (₹4940.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कू–बैंड बीकन टर्मिनलों, नेटवर्क अवयवों, फ्रीक्वेंसी कनवर्टरों, मिशन सहायता केंद्र, सर्वरों, वर्कस्टेशनों के लिए उपलब्धि आधारित भुगतानों के स्थगन तथा एससीसी भवन के कार्य के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(k) "Master Control Facility (MCF)" - saving of ₹1137.09 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4940.00 lakhs) was due to postponement of milestone payments for Ku band beacon terminals, network elements, frequency converters, mission support centre, servers, workstations and requirement of less funds towards work of SCC building.

(ठ) "भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय (आईएसआरओ एचक्यू)" – ₹72862.15 लाख की बचत (दिसंबर, 2018 में प्राप्त ₹0.22 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹101145.22 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मैसर्स एचएमटी वॉच फैक्ट्री से संबंधित भूमि की अधिप्राप्ति के लिए कम निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

(l) "Indian Space Research Organisation Headquarters (ISRO Hq)" - saving of ₹72862.15 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹101145.22 lakhs including token supplementary grant of ₹0.22 lakh obtained in December, 2018) was due to requirement of less funds towards procurement of land belonging to M/s HMT Watch Factory.

(खा) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग" –

(B) "Space Applications" -

(क) "आपदा प्रबंधन सहायता (डीएमएस)" – ₹657.16 लाख की बचत (फरवरी, 2019 में प्राप्त ₹43.00 लाख के पूरक अनुदान सहित ₹1593.00 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आपदा प्रबंधन सहायता परियोजनाओं के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(a) "Disaster Management Support (DMS)" - saving of ₹657.16 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹1593.00 lakhs including supplementary grant of ₹43.00 lakhs obtained in February, 2019) was due to requirement of less funds towards disaster management support projects.

(ख) "भारतीय सुदूर संवेदी संस्थान (आईआईआरएस)" – ₹1251.00 लाख की बचत (₹2851.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) छात्र सुविधाओं, टेरेस्ट्रियल लेजर स्कैनर, जीएनएसएस रिसीवरों, प्रोजेक्टरों और मॉनीटरों के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(b) "Indian Institute of Remote Sensing (IIRS)" - saving of ₹1251.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2851.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards student facilities, terrestrial laser scanner, GNSS receivers, projectors and monitors.

(गा) "इनसैट उपग्रह प्रणाली – इनसैट–4/जीसैट उपग्रह" – ₹1497.47 लाख की बचत (फरवरी, 2019 में प्राप्त किए गए ₹100.00 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹6869.00 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परियोजना पूरी होने के कारण हुई।

(C) "INSAT Satellite System - INSAT-4/GSAT Satellites" - saving of ₹1497.47 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹6869.00 lakhs including supplementary grant of ₹100.00 lakhs obtained in Febraury, 2019) was due to completion of the project.

(घा) "आवास" –

(क) "सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसएचएआर)" – ₹798.13 लाख की बचत (₹1150.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) क्वार्टरों के निर्माण के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ख) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र" – ₹1306.02 लाख की बचत (₹1500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सीआईएसएफ बैरकों के लिए योजना में बदलाव किए जाने तथा स्टॉफ क्वार्टरों के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ग) "राष्ट्रीय सुदूर संवेदी केंद्र (एनआरएससी)" – ₹1431.85 लाख की बचत (₹1450.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आवासीय कार्य, सीआईएसएफ क्वार्टरों के नवीनीकरण कार्य के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(घ) "मुख्य नियंत्रण सुविधा (एमसीएफ)" – ₹838.00 लाख की बचत (₹985.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) क्वार्टरों, एलीवेटेड वाटर टैंक पंप रूम के निर्माण कार्य तथा हासन में बोर वेलों तथा संबद्ध कार्यों की व्यवस्था कराने के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(V) तीन शीर्षों के अंतर्गत ₹1083.12 लाख की बचत हुई, जो प्रत्येक में ₹250.00 लाख से अधिक परन्तु ₹500.00 लाख से कम और कुल स्वीकृत प्रावधान का 29 प्रतिशत से 59 प्रतिशत तक थीं।

6. (I) उपर्युक्त बचतें पुनर्विनियोग द्वारा प्रावधान को बढ़ाने के लिए आंशिक रूप से (₹171567.78 लाख) प्रयुक्त हो गईं जैसाकि जुलाई, 2018, दिसम्बर, 2018 और फरवरी, 2019 में मुख्य शीर्ष "5402" के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के तहत ₹24849.00 लाख का पूरक अनुदान प्राप्त करते समय संसद को पहले ही सूचित कर दिया गया था:–

(D) "Housing" -

(a) "Satish Dhawan Space Centre-SHAR" - saving of ₹798.13 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1150.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards construction of quarters.

(b) "Space Applications Centre" - saving of ₹1306.02 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1500.00 lakhs) was due to change in plan for CISF barracks and requirement of less funds towards staff quarters.

(c) "National Remote Sensing Centre (NRSC)" - saving of ₹1431.85 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1450.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards housing works, renovation works of CISF quarters.

(d) "Master Control Facility (MCF) - saving of ₹838.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹985.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards works of quarters, elevated water tank pump room and providing bore wells and allied works at Hassan.

(V) Under three heads savings of ₹1083.12 lakhs occurred, each exceeding ₹250.00 lakhs but not exceeding ₹500.00 lakhs and constituting 29 percent to 59 percent of the total sanctioned provision.

6. (I) The above savings were partly (₹171567.78 lakhs) utilized for augmenting the provision by re-appropriation as already reported to Parliament while obtaining supplementary grants of ₹24849.00 lakhs in July 2018, December 2018 and February 2019 under Major Head "5402" - under the following heads:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" –

(क) "जीएसएलवी प्रचालनात्मक परियोजना" – ₹9810.89 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹9810.33 लाख था।

(ख) "रिसोर्ससैट–3 और 3ए" – ₹625.00 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹623.13 लाख था।

(ग) "ठोस प्रणोदक अंतरिक्ष बूस्टर संयंत्र (एसपीआरओबी)" – ₹11000.00 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹10999.29 लाख था।

(घ) "सेमी क्रायोजनिक स्टेज विकास" – ₹347.88 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹345.25 लाख था।

(ङ) "पीएसएलवी सतत कार्यक्रम (चरण–6)" – ₹23991.89 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹23991.88 लाख था।

(च) "जीएसएलवी मार्क–III सतत कार्यक्रम (चरण–1)" – ₹4961.89 लाख।

(छ) "पीएसएलवी एकीकरण सुविधा (पीआईएफ)" – ₹1000.00 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय, ₹999.68 लाख था।

(ज) "छोटा उपग्रह लांच वाहन (एसएसएलवी) विकास" – ₹1238.89 लाख।

(A) "Space Technology" -

(a) "GSLV Operational Project" - ₹9810.89 lakhs. Actual excess, however, was ₹9810.33 lakhs.

(b) "Resourcesat-3 & 3A" - ₹625.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹623.13 lakhs.

(c) "Solid Propellant Space Booster Plant (SPROB)" - ₹11000.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹10999.29 lakhs.

(d) "Semi Cryogenic Stage Development" - ₹347.88 lakhs. Actual excess, however, was ₹345.25 lakhs.

(e) "PSLV Continuation Programme (Phase-6)" - ₹23991.89 lakhs. Actual excess, however, was ₹23991.88 lakhs.

(f) "GSLV Mk-III Continuation Programme (Phase-1)" - ₹4961.89 lakhs.

(g) "PSLV Integration Facility (PIF)" - ₹1000.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹999.68 lakhs.

(h) "Small Satellite Launch Vehicle (SSLV) Development" - ₹1238.89 lakhs.

(खा) "अंतिरक्ष अनुप्रयोग – अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी)" – ₹7960.00 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹7959.72 लाख था।

(B) "Space Applications - Space Application Centre (SAC)" - ₹7960.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹7959.72 lakhs.

(गा) "इनसैट उपग्रह प्रणाली" –

(क) "जीसैट–30/31 संचार विमान–लांच सेवाएं" – ₹79541.00 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹79540.58 लाख था।

(C) "INSAT Satellite System" -

(a) "GSAT-30/31 Communication Spacecrafts-Launch Services" - ₹79541.00 lakhs. Actual excess, however, was ₹79540.58 lakhs.

(ख) "लांच सेवाओं सहित उन्नत संचार उपग्रह (जीसैट–11)" – ₹3805.89 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹3805.87 लाख था।

(b) "Advanced Communication Satellite (GSAT-11) including launch services" - ₹3805.89 lakhs. Actual excess, however, was ₹3805.87 lakhs.

(ग) "जीसैट–22/23/24 उपग्रह" – ₹8535.67 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹8534.89 लाख था।

(c) "GSAT-22/23/24 Satellites" - ₹8535.67 lakhs. Actual excess, however, was ₹8534.89 lakhs.

(घ) "जीसैट–29 उपग्रह" – ₹6553.89 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹6553.27 लाख था।

(d) "GSAT-29 Satellite" - ₹6553.89 lakhs. Actual excess, however, was ₹6553.27 lakhs.

(ङ) "जीसैट–30/31/32 उपग्रह" – ₹12194.89 लाख। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹12187.08 लाख था।

(e) "GSAT-30/31/32 Satellites" - ₹12194.89 lakhs. Actual excess, however, was ₹12187.08 lakhs.

(II) बचतें मुख्य शीर्ष "5402" – "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत अधिक व्यय द्वारा भी प्रतिसंतुलित हो गईं:–

(II) Savings were also offset by excess under Major Head "5402" - "Space Technology" -under the following heads:-

(का) "ओशनसैट–3 और 3ए" – ₹1877.88 लाख का अधिक व्यय (₹7365.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एफएम सी बैंड सर्कुलेटर्स, स्पेस ग्रेड आरएफ इंडक्टर्स और फैब्रीकेशन के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(A) "Oceansat-3 & 3A" - excess of ₹1877.88 lakhs (against the sanctioned provision of ₹7365.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards FM C Band circulators, space grade RF inductors and fabrication.

(खा) "हाई रिजोल्यूशन उपग्रह (एचआरएसएटी) कॉसटिलेशन" – ₹1502.73 लाख का अधिक व्यय (₹2700.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कूपलर्स, ट्यूब तथा इलेक्ट्रॉनिक पैकेजों की अधिप्राप्ति के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(B) "High Resolution Satellite (HRSAT) Constellation" - excess of ₹1502.73 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2700.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards procurement of couplers, tubes and electronic packages.

(III) तीन शीर्षों के अंतर्गत ₹1161.15 लाख का अधिक व्यय हुआ, जो प्रत्येक में ₹250.00 लाख से अधिक परन्तु ₹500.00 लाख से कम और स्वीकृत प्रावधान का 44 प्रतिशत से 239 प्रतिशत तक था।

(III) Under three heads excess of ₹1161.15 lakhs occurred, each exceeding ₹250.00 lakhs but not exceeding ₹500.00 lakhs and constituting 44 percent to 239 percent of the sanctioned provision.